कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–22

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.डी.–22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) ऊँचे कुल क्या जनमियाँ, जे करणीं ऊँच न होइ।
सोवन कलस सुरे भर्‌या, साधूँ निंद्या सोइ॥

(ख) जिंहिं घरि साध न पूजिये, हरि की सेवा नाँहि।
तै घर मड़हट सारषे, भूत बसै तिन माँहि॥

(ग) तन षोजौ नर करौ बड़ाई।

जुगति बिना भगति किनि पाई॥

एक कहावत मुलाँ काजी, राम बिना सब फोकटबाजी॥

नव ग्रिह बाँभण भणता रासी, तिनहुँ न काटी जय कौ पासी॥

कहै कबीर यहु तन काचा, सबद निरंजन राँम नाँम साचा॥

(घ) तननाँ बुनना तज्या कबीर।

राँम नाँम लिखि लिया शरीर॥

जब लग भरौं नली का वेह, तब लग टूटै राँम सनेह।

ठाड़ी रोवै कबीर की माई, ए लरिका क्यूँ जीवै खुदाइ॥

कहैं कबीर सुनहुँ री माई, पुरणहारा त्रिभुवन राइ॥

2. कबीरयुगीन सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रकाश डालिए। 10

3. कबीर की साधना पद्धति के मुख्य अवयवों का विश्लेषण कीजिए। 10

4. कबीर के धार्मिक रूढ़िवाद के प्रतिरोध पर विचार कीजिए। 10

5. कबीर की कविता में छन्दों के निर्वहन और उनके महत्व की चर्चा कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) दलित चेतना के निकष पर कबीर का काव्य

(ख) अवधू या अवधूत

(ग) कबीर की भाषा

(घ) कबीर का नारी के प्रति दृष्टिकोण

× × × × × × ×